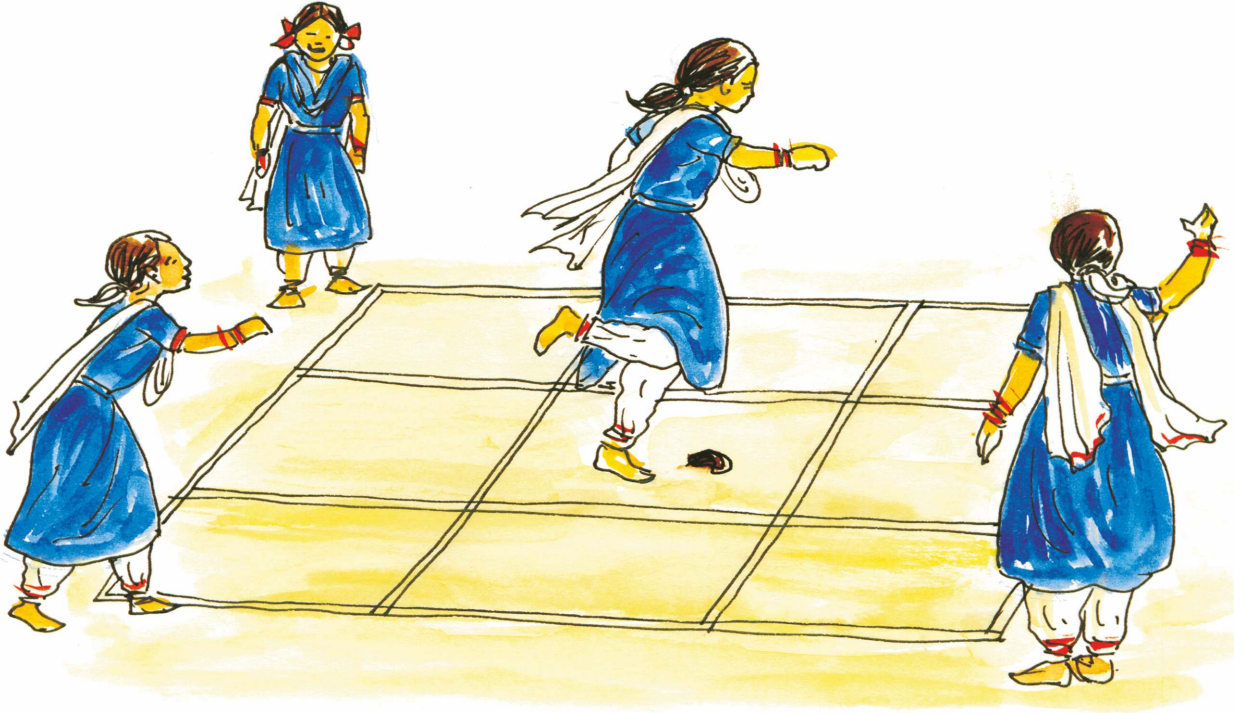


20 खेल-खेल में

(गली में सभी बच्चे कित-कित खेल रहे थे। राधा भी अपनी बहन रानी के साथ वहीं खेल रही थी। पर रानी को ठीक से खेलना नहीं आ रहा था।)



राधा : ओ रानी! सुनो, ठीक से समझ लो। गोटी को पहले चौखाने में डालो। फिर गोटी वाले खाने को छोड़कर बाकी खानों में एक पैर से छलांग लगाओ। लाइन पर पैर रखोगी तो खेल से बाहर। आखिरी खाने में उछलकर घूमो। वापसी में गोटी जरूर उठाकर लाना। याद रहे, 4-5 और 7-8 खाने में ही दोनों पाँव रख सकते हैं। अब, दूसरे खाने में गोटी डालो। इसी तरह सभी खानों में बारी-बारी से गोटी डालकर खेलो।

बच्चे फिर से खेल में लग गए। चाची बहुत देर से उन्हें खेलते देख रही थीं। उनका भी खेलने का मन कर रहा था। जब उनसे रुका नहीं गया तो वे बोल पड़ीं- बच्चों, मैं भी तुम्हारे साथ कित-कित खेलूँ ?

(यह सुनकर सब बच्चे हँसने लगे।)

राधा : चाची ! आप खेलेंगी?

चाची : तुम सोचती हो, मुझे कित-कित खेलना नहीं आता ? अरे, तुम्हारी उम्र में तो हम कितने ही खेल खेलते थे।

रानी : कौन-कौन से खेल? चाची!

चाची : एक टाँग से दौड़ना, छुपा-छुपी, डेंगा-पानी, पिट्टो और न जाने क्या-क्या। और कबड्डी में तो हमारी टीम दस गाँव में सबसे आगे थी।

रमेश : चाची! आपको खेलने का इतना समय कहाँ से मिलता था? हमें तो खेलने के लिए समय ही नहीं मिलता।

चाची : तुम्हें टी.वी. देखने से फुरसत मिले, तब न।

रानी : चाची! क्या चाचा भी ये सब खेल खेलते थे ?

चाची : पूछो मत। तुम्हारे चाचा बताते हैं कि वे सारा दिन फुटबॉल, गिल्ली-डंडा, गोली, डेंगा-पानी, पिट्टो और न जाने क्या-क्या खेलते रहते थे। पतंग उड़ाने के चक्कर में खाना तक भूल जाते थे।

रानी : तो फिर आइए, खेल कर दिखाइए ना।

(चाची बच्चों के साथ खेलने लगीं। अभी कुछ देर खेल पाए थे कि बारिश आ गई।)



सब बच्चे : ओफ ओ!

चाची : चलो, हमारे घर चलो। अंदर चलकर खेलते हैं।

(यह सुनकर सब बच्चे खुश हो गए।)

सब बच्चे : चलो, चलो। चाची के घर चलकर खेलते हैं।

(सब बच्चे चाची के घर में आ गए। अंदर चाचा और बुआ शतरंज खेल रहे थे।)

राधा : चाची! क्या खेलें?

रमेश : चाची! कोना-कोनी खेलते हैं।

कुछ बच्चे: हाँ, हाँ, कोना-कोनी का खेल खेलते हैं।

राधा : अगर गुड़िया होती तो गुड़िया से खेलते।

चाची : गुड़िया चाहिए ? अभी बना लेते हैं गुड़िया।

(चाची ने एक पुराना कपड़ा लिया और बच्चों ने चाची की मदद से गुड़िया बना ली। कुछ बच्चे लूडो खेलना चाहते थे और कुछ कैरम बोर्ड। सब अपने-अपने समूह बनाकर खेलने लगे।)

- एन॰सी॰ई॰आर॰टी॰

शब्दार्थ			
बारिश -	वर्षा	समूह -	झुंड

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आपको कौन-सा खेल सबसे ज्यादा पसंद है?

.....

(ख) खेलने के अलावा आप क्या-क्या करते हैं?

.....

2. आप परिवार में किसके साथ क्या खेल खेलते हैं ?

परिवार के सदस्य

खेल का नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. अपनी समझ से बताइए -

(क) चाची ने जब कित-कित खेलने के लिए पूछा तो सभी बच्चे क्यों हँसने लगे?

.....

(ख) चाची इतने सारे खेल क्यों खेल पाई थीं ?

.....

(ग) बच्चे तुरंत-तुरंत खेल बदल-बदल कर खेलते हैं। क्यों ?

.....

(घ) राधा और रानी में कौन बड़ी बहन लगती है ? क्यों ?

.....

4. पाठ से बताइए -

(क) बच्चों को खेलने का समय क्यों नहीं मिलता है ?

.....

(ख) किस खेल के चक्कर में कौन खाना भूल जाता था ?

.....

(ग) सभी बच्चे घर के भीतर क्यों आ गये ?

.....

(घ) शतरंज का खेल कौन-कौन खेल रहे थे ?

.....

5. नीचे दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द बताइए -

(क) बच्चा

(ख) हँसना

(ग) आगे

(घ) आना

(ङ) अंदर

(च) पुराना

6. पाठ में जिन-जिन खेलों के नाम आए हैं, उनके नाम तालिका में लिखें। इनमें से जो खेल घर के अंदर खेले जाते हैं, उनके सामने  बनाएँ तथा घर के बाहर खेले जाने वाले खेल के सामने  बनाएँ। खेल के सामने खिलाड़ियों की संख्या तथा उसे खेलने में अगर कुछ चीजों की जरूरत होती है तो उनके नाम भी लिखें।

पाठ में आए खेलों के नाम ( / )	कितने खिलाड़ी	किन-किन चीजों की जरूरत

7. आप गेंद से खेले जाने वाले कितने खेल जानते हैं ? एक तरफ खेल के नाम तथा दूसरी तरफ उनके खिलाड़ियों के नाम लिखिए -

खेल

खिलाड़ी

.....

.....

खेलों के नाम जातिवाचक संज्ञा तथा खिलाड़ियों के नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

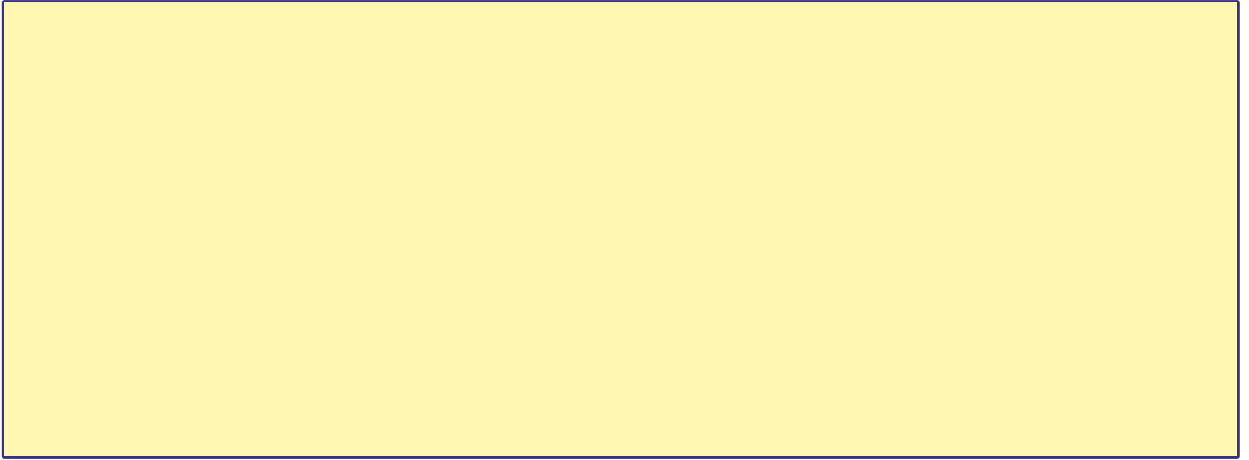
8. अपने परिवार के बड़े लोगों से पता करें कि जब वे छोटे थे, तब वे कौन-कौन से खेल खेला करते थे?

परिवार के बड़े	खेल के नाम			
दादा				
दादी				
पिता				
माँ				
चाचा				
चाची				
बुआ				

9. आप अपने इलाके के किसी मशहूर खिलाड़ी तथा उनके खेल का नाम बताएँ-

.....

10. क्या आप कित-कित जैसा कोई दूसरा खेल जानते हैं ? उस खेल का क्या नाम है? खेल को खेलने के लिए जमीन पर जो आकृति बनाते हैं उसे यहाँ बनाएँ -



11. पहली बूझकर खेल का नाम बताएँ तथा चित्र से मिलाएँ-

(क) साँप काटे तो नीचे आऊँ

सीढ़ी मिले तो झट चढ़ जाऊँ।

(ख) बाँध गले में सूत

बिना पंख उड़ जाऊँ.....

(ग) लगा लो तुम चौके-छक्के

बना लोगे सौ रन पक्के।.....

